**दिनांक** 19-20 **अगस्त**, 2019 **को नई दिल्ली में आयोजित वर्ष** 2022 **तक सभी के लिए आवास संबंधी राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद का** 15**वां राष्ट्रीय कन्वेंशन**

*****

आज मुझे खुशी है कि वर्ष **2022** तक सबका अपने मकान का सपना पूरा हो इसके लिए आपने इस सम्मेलन को आयोजित किया है।

हर व्यक्ति के जीवन की मूलभूत आवश्यकता है रोटी, कपड़ा और मकान। व्यक्ति चाहे गरीब हो या अमीर, उसका सबसे बड़ा सपना होता है कि उसका स्वयं का मकान हो और इस सपने को, इस आकांक्षा को, पूरा करने के लिए हमारे प्रधानमंत्री जी ने इसके लिए एक लक्ष्य तय किया है।

भारत विश्व की सर्वाधिक तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इस देश के आर्थिक विकास में कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्रीज का बहुत बड़ा योगदान रहा है क्योंकि बहुत तेजी से भारत में शहरीकरण का विस्तार हो रहा है और शहरों में आधारभूत विकास भी हो रहा है। गांवों से अपने रोजगार, व्यापार के लिए लोग शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं।

किसी समय हमारी **80** प्रतिशत की जनसंख्या गांवों में रहती थी और **20** प्रतिशत संख्या शहरों में। आज यह अनुपात **60:40** में है। इसलिए शहरों में पर्याप्त इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास तेजी से हो रहा है। हर व्यक्ति चाहता है कि शहर में उसका भी एक मकान हो और शहर के मकान का सपना तभी पूरा हो सकता है जब हम उसको सस्ती दर पर आवास उपलब्ध कराकर उसके सपने को पूरा करने में सफल हो सके।

वर्तमान सरकार ने देश में वर्ष **2022** तक सबको मकान मिले, इसके लिए गांवों के साथ-साथ शहरों में भी प्रधानमंत्री आवास के लिए व्यापक प्रयास किए हैं।

देश के अधिकांश गांवों में जहां पहले कच्चे मकान हुआ करते थे, वहां पक्के मकान दिखने लगे हैं। गांवों में शौचालय भी दिखने लगे हैं। देश की जनता का गांवों और शहरों में पक्के मकान का सपना पूरा करने की दिशा में सरकार ने कदम आगे बढ़ाया है।

यहां पर कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्रीज में काम करने वाले लोग उपस्थित हैं जिन्होंने इस देश में सस्ती दर पर आवास उपलब्ध कराने के लिए व्यापक प्रयास किए हैं और आप सभी के प्रयासों से आज हर आम आदमी के सपने एवं आकांक्षाओं, उनके अपने घर, अपने मकान का सपना पूरा भी हुआ है।

आप जानते हैं कि गरीब से गरीब को लगता है कि उनका अपना घर हो, जिसमें वे सुकुन से रह सकें। अपना घर होने की जो सुखद अनुभूति होती है उससे बड़ी कोई सुखद अनुभूति नहीं होती है।

जहां आप आम जनों को सस्ती दर पर मकान उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहे हैं वहीं आप करोड़ों लोगों को इस इंडस्ट्री के माध्यम से रोजगार देने का भी काम कर रहे हैं। इस देश में गरीब व्यक्ति के लिए सबसे अधिक रोजगार का साधन है, तो वह कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में है। एक मकान के निर्माण में विभिन्न क्षेत्रों में दक्ष मानव संसाधन की आवश्यकता होती है। भारत में सबसे ज्यादा रोजगार सृजन का साधन कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री है चाहे मकान हो, चाहे सड़क हो, या पुल, जिसमें अधिकतम लोगों को रोजगार मिलता है।

देश में बेरोजगारी समाप्त करने की दिशा में कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री का बहुत बड़ा योगदान है जहां कुशल और अकुशल श्रेणी के लोगों को इस इंडस्ट्रीज के माध्यम से रोजगार मिलता है। और इसलिए हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हम किस तरीके से बढ़ रही विश्व की अर्थव्यवस्था में भारत की कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्रीज के योगदान को बढ़ाएं।

भारत में कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्रीज विकसित होने के साथ-साथ हमें विदेशों के लिए भी कुशल और अकुशल श्रमिक तैयार करना चाहिए ताकि वैश्विक स्तर पर भविष्य में कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में हमारी भागीदारी बढ़े, इसके लिए भी हमें प्रयास करना चाहिए।

आवास का सपना सबके लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसमें अधिकांश लोग निम्न एवं निम्न मध्यम वर्ग के हैं जिनकी आवास संबंधी अपने सपने एवं आवश्यकताएं हैं। विशेष रूप से महिलाओं की आकांक्षा रहती है, सपना होता है कि उनका अपना घर हो, अपना खुद का मकान हो। सरकार भी सामाजिक, आर्थिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सृजन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वहीं सस्ते दर पर आवास के लिए भी सरकार द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं।

हमारी **3** ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था को **5** ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री का महत्वपूर्ण योगदान है। भारत में आर्थिक विकास को गति देने में कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री की रफ्तार को बढ़ाना जरूरी है और देश में ही नहीं सम्पूर्ण विश्व में भारत आधुनिकतम टेक्नोलॉजी के साथ विश्व के बाजार में कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्रीज के माध्यम से प्रवेश करे, ऐसे प्रयास किए जाने चाहिए।

इस देश में कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जिसके माध्यम से देश में कुशल और अकुशल लोगों को रोजगार मिलता है। इसलिए मेरा आपसे आग्रह है कि आप सभी लोग इस देश में सस्ती दर पर आवास उपलब्ध कराने के लिए नए प्रयास करें और अधिकतम लोगों को रोजगार देने का प्रयास करें।

**----**